झारखण्ड सचिवालय सेवा के सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों की विभागीय परीक्षा, 2021

राजस्व पर्षद, झारखण्ड, राँची

द्वितीय पत्र (पुस्तक रहित)

समय-तीन घंटे ।

पूर्णांक---100
उत्तीर्णांक--40

सभी प्रश्नों के उत्तर दें । सभी प्रश्नों के मान बराबर है ।

1. संक्षेपण करें:- 25

मन की एकाग्रता की समस्या सनातन है । आज के प्रौद्योगिकी युग में कई भौतिक उन्नति की संभावनाएँ अपार हैं ऐसे में छात्र जब अध्ययन करने बैठता है, तब उसके मन को अनेक तरह के विचार घेरने लगते हैं । वह सोचता है इस अर्थ प्रधान युग में मुझे उत्कृष्ट पद प्राप्ति के लिए एकाग्र मन से पढ़कर परीक्षा में उच्चतम श्रेणी प्राप्त करना आवश्यक है । लेकिन जब वह पढ़ने बैठता है तो क्रिकेट, सिनेमा या मित्र-मण्डली की मौज मस्ती के विचार में उसका मन भटकने लगता है । मन का यह विचलन बुद्धि की एकाग्रता भंग कर देता है । वह घबरा कर सोचता है, परीक्षा तिथि पास है, मन उद्विग्न है, कैसे अध्ययन करूँ ? क्या करूँ ? व्यर्थ के विचार चक्र से बुद्धि अस्थिर और मन चंचल बना रहता है । वह सोचता है यदि परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया तो सब कुछ नस्ट हो जाएगा । पद, प्रतिष्ठा, वैभव कुछ नहीं मिलेगा, जीवन बोझ बन जाएगा, वह बार-बार हताशा से घिर जाता है । अनियंत्रित मन और एकाग्रहीनता उसे चिताओं में डुबा देती है । अर्जुन की यह स्वीकारोक्ति कि चंचल मन का निग्रह वायु की गति रोकने के समान दुस्कर है उसे उचित प्रतीत होने लगता है ।

P.T.O

अथवा Or

Make a Precise note of the following passage:-

The 2030. Agenda for sustainable development adopted by all United Nations Member States in 2015, provides a shared blueprint for peace and prosperity for people and the planet, now and into the future. At its heart are the 17 Sustainable Development Goods (SDGS) which are an urgent call for action by all countries developed and developing in a global partnership. They recognise that ending poverty and other deprivations must go hand-in-hand with strategies that improve health and education, reduce inequality and spur economic growthall while tackling climate change and working to preserve our oceans and forests.

2. अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से सभी उपायुक्तों को पत्र लिखें जिसमें आगामी महिनों में त्योहारों के मद्देनजर कोविड-19 महामारी से सामान्य जनता के बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश हो । 25

Write a letter to all the Deputy Commissioners on behalf of the Additional Cheif Secretary. Department of Health, Medical Education and Family Welfare with instructions to ensure strict adherence of the guidelines for the protection of General Public from covid-19 pandemic during the festivals in coming months.

3. संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग की ओर से विभागीय सचिव को संबोधित टिप्पणी का प्रारूप दे जिसमें मजदूरों का पलायन रोकने के लिए मनरेगा योजना के प्रभावशाली क्रियान्वयन का प्रस्ताव हो । 25

Write a note on behalf of the joint secretary. Department of Rural Development to the Departmental Secretary containing proposals for effective implementation of MGNREGA scheme to check the migration of labourers.

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :- 25

(क) संलेख ।

(ख) अर्द्ध सरकारी पत्र ।

(ग) पृष्ठांकन ।

(घ) संकल्प ।

(ङ) कार्यालय आदेश ।

Write short notes on following :-

(a) Cabinet Note.

(b) Demi-Official Letter.

(c) Endorsement.

(d) Resolution.

(e) Office Order.

झारखण्ड सचिवालय सेवा के सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों की विभागीय परीक्षा, 2022

राजस्व पर्षद, झारखण्ड, राँची

द्वितीय पत्र (पुस्तक रहित)

समय-तीन घंटे ।

पूर्णांक---100
उत्तीर्णांक--40

सभी प्रश्नों के उत्तर दें । सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं ।

1. संक्षेपण करें:- 25

इस वैश्विक पूँजीवादी व्यवस्था में लोकतंत्र ऐतिहासिक शब्द बन कर रहा गया है । इसकी आड़ में न जाने कितने गैरकानूनी और अनैतिक कार्य हो रहे हैं । लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल केन्द्र तथा राज्य स्तर पर क्रमशः लोकसभा तथा विधान-सभाओं का निर्माण का नाम नही है । उसका वास्तविक स्वरूप है एक विशिष्ट जीवन पद्धति । जब सामान्य जन को प्रशासन के निम्नस्तर पर यह अनुभव होता है कि शासन तंत्र उसके हित एवं कल्याण के लिए सक्रिय है तथा न्याय-व्यवस्था निष्पक्ष एवं स्वतंत्र है तभी लोकतंत्र में उसकी आस्था में निरन्तर अभिवृद्धि होती है । ग्राम पंचायतों का विकास भारतीय जनता में इन मूल्यों का विकास-विस्तार नहीं कर पाया । क्योंकि राज्य सरकारों ने इनकी व्यवस्था और आयोजन को अधिकारियों के संरक्षण में रखा जो अपने को जनता के प्रति उत्तरदायी न मानकर सरकार के मुखापेक्षी बने रहने में अपना कल्याण समझते हैं ? व्यवस्था के इस दोष को दूर करके ही लोकतंत्र को सफल बनाया जा सकता है । परन्तु क्या यह संभव है इस पूंजीवादी व्यवस्था में ?

अथवा Or

Make a Precise note of the following passage:-

English education and English language have done immense goods to India inspite of their glaring drawbacks. Tht notions of democracy and self government are the born of english educations. Those who fought and died for Mother India's freedom were nurshed in the cradle of english thought and culture. The west has made contribution to the east. The history of Europe has fired the heart of our leaders. Our struggle for freedom has been inspired by the struggles for freedom in England, America and France. It our leaders were ignorant of english and if they had not studied this language, how could they have been inspired by these heroic struggles for freedom in other lands ? English, therefore did us great good in the past and if properly studied will do immense good in future.

English is spoken throughout the world. For international contract or commerce and trade for the development of our practical ideas for the scientific studies, english is indispensable. English is very rich in literature. Our own ieterature has been made richer by this foreign language. It will be a fatal day if we altogether forget Shakespear, Milton, Keats and Shaw.

2. सचिव, राजस्व, निबंधन एवं भूमिसुधार विभाग की ओर से सभी उपायुक्त को पत्र लिखें जिसमें सभी कोटी की सरकारी भूमि का रख-रखाव एवं राजस्व की वसूली के लिए आवश्यक दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश हो 25

Write a letter to all Deputy Commissioners on behalf of the secretary, Revenue, Registrations & Land Reforms with instructions to ensure strict adherence of the guideline for the protection/maintenance of all types of Govt. Land and revenue collction.

3. संयुक्त सचिव, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से विभागीय सचिव को संबोधित टिप्पणी का प्रारूप दे, जिसमें झारखण्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के पदधारकों की अद्यतन वरीयता सूची प्रकाशन करने का प्रस्ताव हो । 25

Write a note on behalf of the Joint Secretary, Presonnel, Administrative Reforms & Rajbhasa Department to the Departmental Secretary containing proposal for publication of update gradation list of Jharkhand Secretariat Stenographer Service.

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :- 25

(क) अधिसूचना
(ख) झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016
(ग) विशेष अनुमति याचिका (SLP)
(घ) वस्तु एवं सेवा कर (GST)
(ङ) झारखण्ड कार्यपालिका नियमावली, 2000

Write short notes on the following :-

(a) Notification
(b) Jharkhand Government Servants (Classification Control & Appeal) Rules, 2016
(c) Special Leave Petition (SLP)
(d) Good and Services Tax (GST)
(e) Rules of Executive Business, Jharkhand, 2000

झारखण्ड सचिवालय सेवा के सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों की विभागीय परीक्षा, 2023

राजस्व पर्षद, झारखण्ड, राँची

द्वितीय पत्र (पुस्तक रहित)

समय-तीन घंटे ।

पूर्णांक---100
उत्तीर्णांक--40

सभी प्रश्नों के उत्तर दें । सभी प्रश्नों के मान बराबर हैं ।

1. संक्षेपण करें:- 25

मनुष्य उत्सवप्रिय होते हैं । उत्सवों का एक मात्र उद्देश्य आनंद-प्राप्ति है । यह तो सभी जानते हैं, कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करता रहता है । आवश्यकता की पूर्ति होने पर सभी को सुख होता है । पर, उस सुख और इस आनंद में बड़ा अन्तर है । आवश्यकता अभाव सूचित करती है । उससे यह प्रकट होता है, कि हममें किसी बात की कमी है । मनुष्य-जीवन ही ऐसा है, कि वह किसी भी अवस्था में यह अनुभव नहीं कर सकता कि अब उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं रह गई है । एक के बाद दूसरी वस्तु की चिंता उसे सताती ही रहती है । इसलिए किसी एक आवश्यकता की पूर्ति से उसे जो सूख होता है, वह अत्यंत क्षणिक होता है; क्योंकि तुरंत ही दूसरी आवश्यकता उपस्थित हो जाती है । उत्सव में हम किसी बात की आवश्यकता का अनुभव नहीं करते । यही नहीं, उस दिन हम अपने काम-काज छोड़कर विशुद्ध आनंद की प्राप्ति करते है । यह आनंद जीवन का आनंद है, काम का नहीं । उस दिन हम अपनी सारी आवश्यकताओं को भुलकर केवल

मनुष्यत्व का ख्याल करते हैं । उस दिन हम अपनी स्वार्थ-चिंता छोड़ देते है । कर्त्तव्य भार की उपेक्षा कर देते है तथा गौरव और सम्मान को भूल जाते है । उस दिन हममें उल्लास आ जाती है, स्वच्छदंता आ जाती है । उस दिन हमारी दिनचर्या बिल्कुल नष्ट हो जाती है । व्यर्थ घूमकर, व्यर्थ खा-पीकर, व्यर्थ काम कर हमलोग अपने मन में यह अनुभव करते हैं कि हमलोग सच्चा आनंद पा रहे है ।

Make a Precise note of the following passage:-

Everybody knows what a "Good" Man means and how he should be. Our defination of a good man is the one who does not smoke or drink and avoids the usage of bad languages. A good man is ideally expected to converse in front of men as he would in front of women. He is also expected to attend church, temple etc regularly and have correct opinions on all subjects. He has wholesome horror of wrong-doing and realizes that it is our painful duty to reprimand sin. He is not anticepated to have wrong thinkings and has the authority to protect the young. His duties are not just restricted to the professional front but also needs to spend quality time doing good deeds. He must be patriotic and a kin believer of Military Training, he should promote industry, must be sober and have virtue among wages earners and their children. He must be a role model for all and it is expected that he leads a way which the younger generation would willingly follow. Above all, of course, his "Morals" in the narrow sense must be admirable.

2. सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड की ओर से सभी विभागीय सचिव एवं उपायुक्त को संबोधित एक पत्र लिखें, जिसमें सभी सरकारी सेवकों को प्रोन्नति ससमय देने का निदेश हो ।

Write a letter to all departmental Secretary and Deputy Commissioner on behalf of Secretary. Department of Personnel, Administrative Reforms and Rajbhasa with direction of timly promotion at all Government Servants. 25

3. उप सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक एवं राजभाषा विभाग की ओर से विभागीय सचिव को संबोधित एक टिप्पणी का प्रारूप दे, जिसमें सभी सरकारी सेवकों को सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 का अनुपालन सुनिश्चित कराने का प्रस्ताव हो ।

Write a note on behalf of Deputy Secretary, Department of Personnel, Administrative Reforms and Rajbhasa to Departmental Secretary containing proposal to make ensure Government Servant's Conduct Rules, 1976 by all Government Servants. 25

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

(क) निर्वाचन ।
(ख) तारांकित प्रश्न ।
(ग) बजट ।
(घ) शुन्य काल ।
(ङ) नियमावली ।

Write short notes on the following :-

(a) Election.
(b) Starred Question.
(c) Budget.
(d) Zero Hour.
(e) Rules. 25